रॉबिन्सन, फ्रांसिस । द उलेमा आफ फ़िरंगी महल एंड

इस्लामिक कल्चर इन साउथ एशिया । रानीखेत: परमानैंट ब्लैक, 2001

द उलेमा आफ़ फ़िरंगी महल एंड इस्लामिक कल्चर इन साउथ एशिया

फ्रांसिस रॉबिन्सन

रॉयल हॉलोवे, यूनिवर्सिटी ऑफ लंडन

परमानैंट ब्लैक

पब्लिश्ड बाय

परमानैंट ब्लैक

बी - 28, आक्सफ़ोर्ड अपार्टमेण्ट 11 आई पी एक्सटेन्शन,

दिल्ली- 110092

साथ में

राम आडवाणी बुक सैलर्स

मेफ़ेयर बिल्डिंग, हज़रतगंज लखनऊ 226001

डिस्ट्रिब्यूटेड बाय/वितरण

ओरियण्ट लॉगमैन लिमिटेड

बैंगलौर भुवनेश्वर कोलकाता

चेन्नै एर्णाकुलम गुवाहाटी हैदराबाद

लखनऊ मुंबई न्यू देल्ही पटना

कॉपीराइट फ्रांसिस रॉबिन्सन 2001कॉपी

आई एस बी एन 81-7824- 006-8

सर्वप्रथम प्रकाशन 2001

सिर्फ दक्षिण एशिया में बिक्री के लिये

टाइपसैट इन अडोब गैरामान्ड बाय इलैवन आर्ट्स

पाल प्रैस द्वारा मुद्रित नई दिल्ली 110020

बाइंडिंग सकू बाइंडर्स द्वारा

समर्पित

फ़िरंगी महल के पवित्र पुरुषों को

जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा

परिशिष्ट 1

आट्टोमन(तुर्क) पाठ्यचर्या

यह मुस्तफ़ा बिल्गी, इल्क ओसमानली मेड्रेसेलेरी इस्तांबुल यूनीवर्सीटेसी एदीबीयत फेकल्टेसी यायिनलारी नं 3101 (एदीबीयत फेकल्टेसी बसीमीवी: इस्तांबुल: 1984), पृ. 40-60 में मौजूद किताबों की एक सूची और टीकाओं पर आधारित है। मैं केमल कफ़दार का शुक्रगुज़ार हूँ इस कृति के बारे में बताने और मेरा ध्यान खींचने के लिये और तेहान अते का अनुवाद में सहयोग करने के लिए।

प्रेषित विज्ञान : उलूम –ए नक़लिय्या

व्याकरण और वाक्य विन्यासः सरफ वा नह्व

GRAMMAR AND SYNTAX: SARF WA NAHW

असास अल- तसरीफ	मुल्ला फ़नारी (मृ. 1430)
शा फ़िय्या	इब्न हजीब (मृ. 1248)
तसरीफ़-ए ज़नजानी	'इज्ज़ अल- दीन ज़नजानी (मृ. 1257), यह पाठ अल- 'इज्ज़ी के नाम से जाना जाता है।
मकसूद टिप्पणियाँ।	इमाम अबू हनीफा, शेख बद्र अल- दीन (मृ. 1240) की संक्षिप्त
मराह अल- अरवाह	अहमद इब्न 'अली इब्न मसूद
अलफ़िय्या	इब्न मलिक (मृ. 1360/1) कई टिप्पणियाँ
अवामिल	'अब्द अल- क़ाहिर जुरजानी (मृ. 1078)
काफ़िय्या	इब्न हजीब
शधर अल- ध्हब	इब्न हिशम (मृ. 1360)
क़तर अल- नदा वा बल्ल अल- सदा	इब्न हिशम
मुग़नी अल- लबीब	इब्न हिशम
अल-इरब 'अन कुवैद अल-इरब	इब्न हिशम
अल- मिस्बाह	नासिर इब्न मतुरीदी(मृ. 1212/13)

वक्तृता: बलाग़ात RHETORIC:BALAGHAT

मिफ़्ताह अल- 'उलूम	अल- सक्काकी (मृ. 1228), कुतुब अल-दीन शीराज़ी (मृ. 1311), सा'द अल-दीन तफ़्तज़ानी (मृ. 1389) और मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी(मृ. 1413) की टीकाएं।
तलखीस -ए मिफ़्ताब सारांश, मृ. 1389) सा'द मुख़्तसर।	जलाल अल-दीन काज़वीनी (मृ. 1338), अल- सक्काकी का अकमल अल-दीन (मृ. 1384) की टीकाएं, ज़वज़ानी(अल- दीन तफ़्तज़ानी - उनके मुताव्वल और उनके

न्यायशास्त्र: फ़िक्ह JURISPRUDENCE: FIQH

हिदाया विद्वानों की	बुरहान अल-दीन मरग़िनानी (मृ. 1196) कई आट्टोमन (तुर्क) संक्षिप्त टिप्पणियाँ।
विक़ाया	ताज अल-शरीय महमूद। कई आट्टोमन (तुर्क)विद्वानों की संक्षिप्त टिप्पणियाँ।
मुख़्तसर अल- कुदूरी विद्वानों	बग़दाद के अहमद इब्न मुहम्मद कुदूरी (मृ. 1036/7) कई आट्टोमन की संक्षिप्त टिप्पणियाँ।
फ़रा'इज़ अल-सजावंद	सिराज अल-दीन मुहम्मद सजावंद। सा'द अल-दीन तफ्तज़ानी के लोगों और कई आट्टोमन विद्वानों की टीकाएं।

न्यायशास्त्र के सिद्धान्त: उसूल अल-फ़िक्ह PRINCIPLES OF JURISPRUDENCE

तलवीह टिप्पणियाँ	तनक़ीह पर सा'द अल-दीन तफ़्तज़ानी की व्याख्या 'उबैद अल्लाह इब्न मसूद (मृ.1346/7). नोट द्वारा। मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी की
मनर अल- अनवर टीकाएं।	'अब्द अल्लाह अल- नसाफ़ी (मृ. 1310)। आट्टोमन विद्वानों की
मुग़नी	जलाल अल-दीन 'उमर हब्बाज़ी (मृ. 1272) आट्टोमन विद्वानों द्वारा कई संक्षिप्त टिप्पणियाँ व्याख्याएं।
मुन्तहा अल-सु'अल कुतब अल-दीन इज्जी (मृ. द्वारा की गई टीकाएं।	इब्न हजीब। शीराज़ के क़ाज़ी नासिर अल-दीन बेदावी (मृ. सी 1286), अल-दीन शीराज़ी (मृ. 1310), शीराज़ के क़ाज़ी 'अदूद 1355) और मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी

वृत्तांत: हदीसें TRADITIONS:HADITHS

<u>छह आधारभूत संग्रह:</u>

बुखारी

मुस्लिम

तिरमिज़ी

इब्न माजा

अबू दाऊद

कबीर

मदारिक अल-अनवर — इमाम साग़ानी (मृ.1252) 2246 वृत्तांतों का संकलन।

मसाबीह अल- सुन्ना — मुल्ला हुसैन अल- बग़ावी (मृ.1122) 4719 वृत्तांतों का संकलन।

व्याख्या: तफ़्सीर EXEGESIS:TAFSIR

कश्शाफ़ — जार अल्लाह अबुल क़ासिम ज़माकशारी (मृ.1142) मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी की टीका कई आटोमन विद्वानों की टीकाएं।

तफ़्सीर अनवर अल-तंज़ील — शीराज़ के क़ाज़ी नासिर अल-दीन बैदावी (मृ.1286)

बिल्गी की सूची में धर्मसिद्धान्त यानि अक़ैद की तीन पुस्तकें भी हैं। यह हैं अल-इजी द्वारा लिखा ग्रन्थ जिसमें मुख्य टीका मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी की है, अल-नसाफ़ी (मृ.1142) का ग्रन्थ जिसपर सा'द अल- दीन तफ़्ताज़ानी की टीका सहित कई टीकाएं हैं, एक ग्रन्थ मुल्ला अहमद अल- हनफ़ी का है जिस पर मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी की टीका सहित और भी कई टीकाएं शामिल हैं।

तर्कसंगत विज्ञान : 'उलूम -ए ' अक़लिय्या

तर्क: मंतीक़ LOGIC: MANTIQ

इसाग़ोजी द्वारा — प्राफ़ीरी की इसागोगे (234-305) का अथीर अल-दीन अल-अभारी (मृ.1264) लिखित रूपान्तरण कई टीकाएं।

शम्सिय्या — नज्म अल-दीन 'उमर इब्न 'अली काज़वीनी (मृ.1293)। कुत्ब अल-दीन मुहम्मद तहतावी (मृ.1364) और सा'द अल-दीन तफ़्ताज़ानी की टीकाएं। मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी की टिप्पणियाँ। पन्द्रहवीं शताब्दी में कई ओट्टोमन टीकाएं।

अल- गुर्रा फ़िइ'ल मंतिक़ — शरीफ़ नूर अल-दीन मुहम्मद (मृ.1434), मीर सैय्यद शरीफ जुरजानी के बेटे।

शर्ह-ए मताली अल-अनवर (मृ.1364) की टीकाएं।	सिराज अल-दीन अल- उरमावी (मृ.1283) कुत्ब अल-दीन रज़ी
इस्तेमाल की	मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी की टीका ओट्टोमन मदरसों में व्यापक रूप से जाती है।

दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र: हिकमत वा कलाम

PHILOSPHY AND THEOLOGY: HIKAMT WA KALAM

तजरीद हीक़ाज़ी सबसे	नासिर अल-दीन तसी (मृ.1274)। मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी की टीका के साथ शम्स अल-दीन इस्फ़ाहानी (मृ. 1289) के तसदीद अल-कवा'ईद की महत्त्वपूर्ण टीका।
तवाली अल- अनवर संक्षिप्त	शीराज़ के क़ाज़ी नासिर अल-दीन बैदावी (मृ. 1286)। सबसे महत्त्वपूर्ण टीका क़ाज़ी शम्स अल-दीन इस्फ़ाहानी द्वारा (मृ.1289)। मीर सैयद जुरजानी की टिप्पणियाँ।
शर्ह -ए मवाक़िफ़ जिनमें से	शीराज़ के कादी 'अदूद अल-दीन इजी की मवाक़िफ़ पर मीर सैय्यद जुरजानी की संक्षिप्त टिप्पणियाँ। कई ओटटोमन विद्वानों ने संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखीं मुल्ला फ़नारी (मृ. 1430) की टिप्पणियाँ सबसे लोकप्रिय हुईं।

गणित, सूफ़ीवाद या चिकित्साशास्त्र के शीर्षक नहीं है।

परिशिष्ट 2

(सफ़वी) सफ़ाविद पाठ्यचर्या

यह 1930 में मिर्ज़ा ताहिर तुनिकाबूनी द्वारा बनाए गए, मदरसों में पढ़ाई जानेवाली किताबों की एक सूची पर आधारित है। इसे पहली बार आइ. अफशार ने फरहंगी -ए इरानज़ामीन, वॉल्यूम (भाग) वॉल्यूम 20, 1353/1975, पीपी 39 -82 में प्रकाशित किया गया । बाद में यह ट्रेडिशनल इस्लाम इन द मॉडर्न वर्ल्ड (लंदनः 1987), पीपी

165 - 82 में एस. एच. नस्र के लेख 'द ट्रेडिशनल टैक्स्ट्स यूज़्ड इन द पर्शियन(फ़ारस) मदरसाज़ का आधार बनी। तुनिकाबूनी की सूची में से 1700 के बाद लिखे गए ग्रन्थ हमने शामिल नहीं किए हैं।

व्याकरण और वाक्य विन्यास: सर्फ़ वा नह्व

GRAMMAR AND SYNTAX: SARF WA NAHW

सर्फ़ -ए मीर	मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी (मृ.1413)
तसरीफ़ -ए ज़ंजानी (मृ.1389)	'इज़्ज़ अल-दीन ज़ंजानी (मृ.1257), सा'द अल - दीन तफ़्ताज़ानी की टीका
शफ़िय्या	इब्न हजीब (मृ.1248)
मरह अल - अरवह	अहमद इब्न 'अली इब्न मसद
'अवामील	'अब्द अल -क़ाहिर जुरजानी (मृ.1078)
'अवामील	मुल्ला मुहसिन मुहम्मद इब्न ताहिर कज़वीनी (सी 17)
समादिय्या	बहा अल - दीन 'अमीली (मृ.1621)
अनमदज	जार अल्लाह अबुल कासिम ज़माकशारी (मृ.1142)
काफ़िय्या	इब्न हजीब (मृ.1248), मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी की टीका इस्तेमाल की गई है।
अलफ़िय्या	इब्न मलिक (मृ.1360/1) जलाल अल - दीन अल - सुयुती (मृ. 1078) की टीका इस्तेमाल की गई है।
मुग़नी अल - लबीब	इब्न हिशम (मृ.1360)

वक्तृता: बलाग़ात RHETORIC:BALAGHAT

तल्खीस - ए मिफ़्ताह के दीन जाता है।	जलाल - अल दीन क़ाज़वीनी (सी 14) द्वारा अल- सक्काकी (मृ.1228) मिफ़्ताअ् अल-'उलूम का सारांश। इसे आमतौर पर सा'द अल - तफ़्तज़ानी की टीकाओं मुतव्वल और मुख्तसर के साथ पढ़ा

न्यायशास्त्र: फिक़्अ JURISPRUDENCE: FIQH

किताब अल-काफ़ी मुल्ला मुहम्मद बाक़िर	मुहम्मद इब्न अल कुलयनी (सी 10)। मीर बाक़िर दमद (मृ.1631), सदरा (मृ. 1641), रफ़ी अल - दीन तबातबैई (सी 17), और मजलिसी (मृ.1699) की टीकाओं के साथ पढ़ी जाती है।
मन ला याहदुरुहु'ल फ़क़ीअ	इब्न बाबूहया (मृ.991) मुहम्मद तक़ी मजलिसी (मृ.1659) द्वारा टीका
तहज़ीब	मुहम्मद अल - तुसी (मृ.1067)
इस्तिब्सर	मुहम्मद अल - तुसी
नीहाया	मुहम्मद अल - तुसी
मब्सूत	मुहम्मद अल - तुसी
वसा'इल अल शि'या इला	
अहकम अल शरी'आ	शेख़ हुर्र - ए 'अमीली (सी 17)
किताब अल - वफ़ी	मुल्ला मुहसिन काशानी (मृ.1680/1)
बिहार अल- अनवर	मुहम्मद बाक़िर मजलिसी (मृ.1699)
शरा'ई अल - इस्लाम	मुहक़्क़ीक - ए हिल्ली (मृ.1277)
मसलीक अल - अफ़हाम इला	
फ़हम शरा'ई अल - इस्लाम	शाहिद - ए थानी (मृ.1558)
मदारिक अल - अहकम	शम्स अल - दीन मुहम्मद 'अमीली (सी 16)
इरशाद अल - अज़हन फ़ि	
अहकम अल - इमान	अल्लामा अल - हिल्ली (मृ.1325), कई प्रसिद्ध टीकाएं
क़वाई'द अल - अहकम	मुहक़्क़ीक- ए हिल्ली। कई प्रसिद्ध टीकाएं
लूमा'अ – ए दिमाश्क़िय्या	शाहिद अव्वल (मृ.1384)। शाहिद - ए थानी द्वारा टीका

न्यायशास्त्र के सिद्धांत: उसूल अल-फ़िक्अ PRINCIPLES OF JURISPRUDENCE

ज़ारि'अ	सैयद मुर्तदा (सी 11)
'इद्दत अल - उसूल	मुहम्मद अल - तुसी
मिन्हाज अल- वुसूल इला 'इल्म	
अल- उसूल	मुहक़्क़ीक- ए हिल्ली
माबादी अल- वुसूल इला 'इल्म	
अल- उसूल	अल्लामा अल - हिल्ली
तहज़ीब अल - उसूल	अल्लामा अल - हिल्ली
मा'अलिम अल- दीन	शाहिद-ए थानी
ज़ुब्दत अल- उसूल	बहा'अल दीन 'अमीली
किताब अल- वाफ़िय्या	मुल्ला 'अब्द अल्लाह खुरासानी (सी 17)

वृत्तांत TRADITIONS

रिसालात अल- बिदाया फ़ि'इल्म	
अल- दिराया	शाहिद-ए थानी
वजीज़ा	बहा'अल- दीन 'अमीली
रवाशीह अल- समविय्या	मीर बाक़िर दमद (1631)
नुज़हत अल- नज़र	शिहाब अल- दीन अल- असक़लानी (मृ. 1449)
अलफ़िय्या	जलाल अल- दीन अल- सुयुती

व्याख्या: तफ़्सीर EXEGESIS:TAFSIR

तफ़्सीर	'अली इब्न इब्राहीम कुम्मी (सी 10)
मजमा' अल बयान	अबू 'अली फज़्ल इब्न हसन तबारसी (सी 12)
रव्ह अल- जीनान वा - रुह	

अल- जनान	अबु'ल - फ़तह रज़ी (सी 12)
तफ़्सीर-ए- सफ़ी	मुल्ला मुहसिन काशानी
तफ़्सीर	मुहम्मद अल- तबारी (मृ. 923)
तफ़्सीर अल - कबीर	फ़ख़र अल- दीन रज़ी (मृ. 1209)
कश्शाफ़	जार अल्लाह बैदवी ज़माकशारी
तफ़्सीर अनवर अल- तंज़ील वा- असरार अल- त'वील	शीराज़ के क़ाज़ी नासिर अल - दीन बैदवी (मृ. सी 1286)
कंज़ अल- 'इरफ़ान	मिक़दाद इब्न 'अब्द अल्लाह हिल्ली (मृ. 1423)

तर्कसंगत विज्ञान: 'उलूम -ए ' अक़लिय्या

तर्क: मंतिक़ LOGIC: MANTIQ

रिसाला - ए कुबरा	मीर सैय्यद शरीफ़ जुरजानी
शर्ह -ए तहज़ीब	तफ़्ताज़ानी के ग्रन्थ तहज़ीब अल- मंतिक़ पर मुल्ला अब्द अल्लाह क़ाज़्दी (मृ. 1606) की टीका
शर्ह -ए शमसिय्या की	नज्म अल- दीन क़ज़वीनी (सी 13)। कुतुब अल- दीन रज़ी (मृ. 1364/5) टीका
शर्ह-ए मताली' अल- अनवर	सिराज अल- दीन अल- उरमवी (मृ. 1283)। मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी की टीका
शर्ह-ए इशरत	इब्न सिना (मृ. 1037)। फ़खर अल- दीन रज़ी, नासिर अल-दीन तुसी (मृ. 1274), कुतब अल- दीन रज़ी की टीकाएं
ताजरिद	नासिर अल-दीन तुसी। अल्लामा अल-हिल्ली की टीका
हिकमत अल- इशराक़	शिहाब अल- दीन अल- सुहुरावर्दी (मृ. 1191),कुत्ब अल-दीन शीराज़ी (मृ. 1311) और मुल्ला सदरा की टीकाएं।
शिफ़ा'	इब्न सिना। मुल्ला सदरा की टीका।

दर्शन और धर्मशास्त्र: हिकमत वा कलाम

PHILOSPHY AND THEOLOGY: HIKAMT WA KALAM

शर्ह-ए हिदाया मुल्ला	अतहर अल- दीन अल- अबहरी (मृ. 1264)। मुल्ला हुसैन यज़्दी और सदरा की टीकाओं के साथ पढ़ा जाता है।
तजरिद इस्फ़ाहानी मीर सैयद शरीफ़ और 'अब्द अल- रज्जाक टीकाओं के साथ।	नासिर अल- दीन तुसी। अल्लामा अल- हिल्ली, शम्स अल- दीन (सी 14) की तसदीद अल- कवै'द टीकाओं के साथ पढें, जुरजानी और 'अला अल- दीन कुश्जी (मृ . 1470), लाहीजी (सी 17) की शवारिक अल- इल्हाम
शर्ह -ए इशरत अल- दीन	इब्न सिना। फखर अल- दीन रज़ी, नसीर अल- दीन तुसी और कुत्ब रज़ी की टीकाएं।
हिकमत अल- इशराक़ की	शिहाब अल- दीन सुहरावर्दी। कुत्ब अल- दीन शीराज़ी और मुल्ला सदरा टीकाएं।
असफर अल- अरबा'अ	मुल्ला सदरा।

गणित: रियाज़िय्यात MATHEMATICS:RIYAZIYYAT

तहरीर उकलीदिस	नासिर अल- दीन तुसी। मुख्य टीका मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी
खुलासत अल- हिसाब	बहा' अल- दीन 'अमीली
रिसाला-ए कुश्जी	'अला'अल- दीन कुश्जी (मृ. 1470)
शर्ह-ए मुलख़्ख़ास 'अब्द अल- टिप्पणियाँ	महमूद चग़मीनी (मृ. 1221)। मूसा इब्न महमूद की टीका और 'अली बीरजांदी और मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी की
तज़किरा	नासिर अल- दीन तुसी। 'अब्द अल-'अली बीरजांदी की टीका
अलमागेस्त के	टालेमी (एफएल एडी 127-45)। नासिर अल- दीन तुसी द्वारा नया पाठ, निज़ाम अल-दीन नयशापुरी और 'अब्द अल-'अली बीरजांदी की टीकाओं साथ।

तुनिकाबूनी की सूची में सूफ़ीवादः तसव्वुफ़ के अन्तर्गत तीन पुस्तकें शामिल हैं । सभी से इब्न 'अरबी का अध्ययन जुड़ा है और कई टीकाओं के साथ फुसूस भी शामिल है। चौथा शीर्षक चिकित्सा: तिब्ब के अन्तर्गत उल्लिखित है। दो इब्न सिना के लेखन से जुड़ी हैं , जिसमें उनकी प्रसिद्ध कृति क़ानून शामिल है; हिप्पोक्रेट्स की फुसूल भी उसमें है।

परिशिष्ट 3

अठारहवीं सदी के पूर्वार्द्ध में

दर्स-ए निज़ामिय्या

यह जी. एम. डी. सूफ़ी कृत अल- मिन्हाजः बीइंग द इवाल्यूशन ऑफ करीक्यूलम इन द मुस्लिम एजुकेशन इंस्टिट्यूशंस ऑफ इंडिया (दिल्ली: 1977) पर आधारित है, पृ. 73-5, पाठ्यक्रम में किताबों पर अतिरिक्त जानकारी, मौलाना 'अब्द अल- बारी के अल्ताफ़ अल- रहमान क़िदवई 'कृत क़ियाम-ए निज़ाम ए ता'लीम (लखनऊः 1924) में उन पर विचार - विमर्श, और फिरंगी महल के मुफ़्ती रादा अंसारी से 1980 के दौरान गहन विचार विमर्श से निकली है।

व्याकरण और वाक्य विन्यास: सर्फ़ वा नह्व

GRAMMAR AND SYNTAX: SARF WA NAHW

मिज़ान	मुहम्मद इब्न मुस्तफ़ा (मृ. 1505/6)
मुंशै'ब	
सर्फ़ मीर	मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी (मृ. 1413)
पंज गंज	महमूद कश्मीरी
ज़ुब्दा	ज़ाहिद इब्न महमूद इब्न मसूद अल्वी
फुसुल-ए अकबरी	'अली अकबर इलाहाबादी
शफ़िय्या	इब्न हजीब (मृ. 1248)
नह्व मीर	मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी
शर्ह-ए मि'अत 'अमील	हुसैन इब्न तवक़ानी (मृ. 1520)
हिदायत अल- नह्व काफ़िय्या	इब्न हजीब
शर्ह जामी	हेरात के मुल्ला जामी (मृ. 1492) द्वारा काफ़िय्या की टीका

वक्तृता: बलाग़ात RHETORIC:BALAGHAT

मुख्तसर	साद अल-दीन तफ़्तज़ानी (मृ. 1389)
मुतव्वल	सा'द अल-दीन तफ़्तज़ानी

न्यायशास्त्र: फ़िक्ह JURISPRUDENCE: FIQH

हिदाया	बुरहान अल-दीन मरग़िनानी (मृ.1196)
शर्ह-ए विक़ाया अल-	अपने दादा उबैद अल्लाह इब्न मसू'द (मृ.1346/7) की कृति विक़ाया की ताज शरी'आ महमूद की टीका

न्यायशास्त्र के सिद्धान्त PRINCIPLES OF JURISPRUDENCE

नूर अल- अनवर	'अब्द अल्लाह अल- नसाफी (मृ.1310) की कृति अल- मंज़र की अमेठी के मुल्ला जीवन (मृ.1718) की टीका।
तवदीह तलवीह	उबैद अल्लाह इब्न मसू'द की तौज़ीह की सा'द अल- दीन तफ़्तज़ानी की टीका

मुसल्लम अल- थुबुत	मुहिब्ब अल्लाह बिहारी (मृ.1707/8)

वृत्तांत: हदीसें TRADITIONS

मिश्कत अल-मसाबीह	शाह वली अल-दीन अबू 'अब्द अल्लाह अल-खतीब (सी 14)

व्याख्या: तफ़्सीर EXEGESIS:TAFSIR

जलालैन	दो भागों में टीका: एक भाग जलाल अल- दीन अल- सुयुती (मृ.1505) द्वारा

तर्कसंगत विज्ञान: 'उलूम -ए ' अक़लिय्या

तर्क: मंतिक़ LOGIC: MANTIQ

शर्ह-ए शमसीय्या	नज्म अल- दीन 'उमर इब्न 'अली काज़वीनी (मृ.1099), कुतब अल-दीन रज़ी (मृ.1364/5) और सा'द अल-दीन तफ़्ताज़ानी द्वारा लिखी गई टीकाओं की मदद से इसे पढ़ा जाता है।
सल्लम अल-'उलूम	मुहिब्ब अल्लाह बिहारी
रिसाला मीर ज़ाहिद (मृ.1364)	'अली काज़वीनी की शमसीय्या पर कुतब अल-दीन महमूद इब्न मुहम्मद की टीका पर मीर मुहम्मद ज़ाहिद अल-हरावी (मृ.1699/1700) की संक्षिप्त टिप्पणियाँ।
मुल्लाल जलाल (मृ.1699/1700) की संक्षिप्त	सा'द अल-दीन तफ्तज़ानी की तहज़ीब अल- मंतिक़ की जलाल अल दीन दाव्वानी द्वारा की गई टीका पर मीर मुहम्मद ज़ाहिद अल-हरावी टिप्पणियाँ।
सुग़रा	मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी
कुबरा	मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी
इसाग़ोजी	प्राफ़ायरी प्राफ़ेयरीकी इसागोगेग़ोजी (234-305) का अत हीर अल-दीन अल-अबहरी (मृ.1264) द्वारा रुपांतरण।
तहदीब	सा'द अल-दीन तफ़्तज़ानी
शर्ह-ए तहज़ीब	तहदीब पर नज्म अल-दीन 'अब्द अल्लाह काज़दी (मृ.1606) की टीका।

कुतबी मीर कुतबी	कुतब अल-दीन रज़ी

दर्शन शास्त्र और धर्म शास्त्र: हिकमत वा कलाम

PHILOSPHY AND THEOLOGY: HIKAMT WA KALAM

शर्ह-ए हिदायत अल-हिकमा अल-	मुल्ला हुसैन इब्न मु'इन अल-दीन की मैबुदी पर टीका; मैबुदी अतहिर अल-दीन अबहरी कृत शर्ह-ए हिदाया की टीका थी।
शम्स अल-बाज़िग़ा	मुल्ला महमूद जौनपुरी (मृ.1652)
सदरा मुल्ला	अतहिर अल-दीन अल- अभारी द्वारा लिखी गई किताब अल-हिदाया दीन की सदरा (मृ.1641) की टीका
शर्ह-ए मवाक़िफ़	शीराज़ के क़ाज़ी 'अदूद अल-दीन इजी (मृ.1355) की मवाक़िफ़ पर मीर सैयद शरीफ़ जुरजानी की टीका
मीर ज़ाहिद	'अज़्द अल-दीन की मवाक़िफ़ की मीर मुहम्मद ज़ाहिद अल-हरा'वी की टीका

गणित: रियाज़िय्यात MATHEMATICS:RIYAZIYYAT

तहरीर उक़्लीदिस	नासिर अल-दीन तुसी (मृ.1274)
खुलासात अल-हिसाब	बहा' अल-दीन 'अमीली (मृ.1621)
तशरीह अल- अफ़लाक	बहा'अल-दीन 'अमीली
रियाला-ए कुश्जी	'अला'अल-दीन कुश्जी (मृ.1470)
शर्ह-ए चग़मीनी	महमूद चग़मीनी (मृ.1221) के शरह्-ए मुलाख्खास का हुसैन ख्वाराज़्मी का किया फ़ारसी अनुवाद (मृ.1470)

इस चरण पर दर्स-ए निज़ामिया में सूफ़ीवाद और चिकित्सा पर कोई भी लेखन दर्ज़ नहीं किया गया था, हालाँकि उन्हें बाद में जोड़ा जाना था।